

## तू कर बंदगी और भजन धीरे धीरे

तू कर बंदगी और भजन धीरे धीरे ।  
मिलेगी प्रभु की शरण धीरे धीरे ।

दमन इन्द्रियों का तू करता चला जा ।  
तो काबू में आएगा यह मन धीरे धीरे ।  
मिलेगी प्रभु की शरण...

सुने कान तेरे सदा वेद वाणी ।  
तू कर भागवत का श्रवण धीरे धीरे ।  
मिलेगी प्रभु की शरण...

सफर अपना आसान करता चला जा ।  
तो छूटेगा आवागमन धीरे धीरे ।  
मिलेगी प्रभु की शरण...

तू दुनिया में शुभ काम करता चला जा ।  
तू कर शुद्ध अपना चलन धीरे धीरे ।  
मिलेगी प्रभु की शरण...

मिलेगा तुझे खोज जिसकी है तुझको ।  
धरम से जो होगी लगन धीरे धीरे ।  
मिलेगी प्रभु की शरण...

कदम नेक राहों पर धर्ता चला जा ।  
मिटेगा यह आवागमन धीरे धीरे ।  
मिलेगी प्रभु की शरण...

छडक जल दया का तू सूखे दिलों पर ।  
बसेगा ये उजड़ा चमन धीरे धीरे ।  
मिलेगी प्रभु की शरण...

लगा मुख को प्याला तू सत्संग वाला ।  
मिटा देगा दर्द कुहन धीरे धीरे ।  
मिलेगी प्रभु की शरण...

कोई काम दुनिया में मुश्किल नहीं है ।  
जो करते रहोगे यतन धीरे धीरे ।  
मिलेगी प्रभु की शरण...

दमन इन्द्रियों का तू करता चला जा ।  
बना शुद्ध चाल चलन धीरे धीरे ।  
मिलेगी प्रभु की शरण...

गुरु सेवा तेरी, तेरी देश भक्ति ।  
उठाएगी तेरा वतन धीरे धीरे ।  
मिलेगी प्रभु की शरण...

स्वर : [मृदुल कृष्ण गोस्वामी जी महाराज](#)

<https://alltvads.com/bhajan/lyrics/id/946/title/tu-kar-bandagi-aur-bhajan-dheere-dheere-milegi-prabhu-ki-sharan-dheere-dheere>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |